चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	21-3-26	04	3-5

सीएम नायब सैनी करेंगे कृषि मेले का शुभारंभ, 5 राज्यों के किसानों के जुटने की उम्मीद

एचएयू में 23-24 को कृषि मेला, 250 स्टॉलों पर दिखेगी मॉडर्न खेती की झलक

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मेला परिसर में आगामी 23 और 24 मार्च को आयोजित होने वाले कृषि मेला खरीफ की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। शुक्रवार को वीसी प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मेला स्थल (गेट नंबर 3, बालसमंद रोड) का दौरा करके व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस बार थीम सतत कृषि-समृद्धि की राह रखी है। मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। विशिष्ट अतिथि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा मौजूद रहेंगे। मेले में 250 स्टॉलें लगाई जाएंगी। इनमें से 165 स्टॉलें निजी क्षेत्र की कंपनियों की होंगी। 60 स्टॉलों पर एचएयू, लुवास, महाराणा प्रताप बागवानी विवि और कृषि विभाग की नवीनतम तकनीकों की जानकारी मिलेगी। 25 स्टॉलें प्रगतिशील किसानों के लिए आरक्षित की हैं।

मेला स्थल पर तैयारियों का जायजा लेते वीसी प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

मेले में पार्किंग व सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मेले में हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से भी भारी संख्या में किसानों के आने की संभावना है। सह निदेशक डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि सुरक्षा और पार्किंग के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए हैं ताकि किसी भी किसान को असुविधा न हो।

मिट्टी व फसलों के नमूने साथ लाएं, वैज्ञानिक बताएंगे निदान

किसान अपने साथ खेत की मिट्टी और पानी का नमूना, साथ ही अगर फसल में कोई बीमारी है तो उसका पौधा लेकर आ सकते हैं। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक मौके पर ही सामान्य शुल्क पर सैंपल जांच कर निदान बताएंगे। मेले आने वाले किसान यूनिवर्सिटी की इस व्यवस्था का लाभ उठा सकते हैं।

खरीफ फसलों व सब्जियों के उन्नत किस्म के बीजों की जानकारी के साथ उनकी बिक्री भी की जाएगी

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश यादव के अनुसार, मेले में किसानों को खरीफ फसलों और सब्जियों के उन्नत किस्म के बीजों की जानकारी के साथ उनकी बिक्री भी की जाएगी। इसके अलावा वैज्ञानिकों द्वारा फार्म पर उगाई गई फसलों का सीधा प्रदर्शन। मिट्टी, पानी और रोगग्रस्त फसलों के नमूनों की सामान्य शुल्क पर जांच और समाधान होगा। किसान कृषि विशेषज्ञों के साथ सीधा संवाद कर सकें। इसके सा साथ मेले हरियाणवी संस्कृति पर आधारित विशेष प्रस्तुतियाँ होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	21-3-26	02	3-5

एचएयू के कृषि मेले में लगेंगी 250 स्टॉल

23 और 24 मार्च को लगेगा मेला, मुख्यमंत्री नायब सैनी करेंगे उद्घाटन

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) परिसर में 23 और 24 मार्च को आयोजित होने वाले कृषि मेले की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने मेला परिसर का जायजा लिया। मेले में 250 स्टॉल लगाई जाएंगी जिनमें 165 स्टॉल निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा और 60 स्टॉल विभिन्न सरकारी विभागों जैसे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, कृषि विभाग, उद्यान विभाग और मत्स्य विभाग द्वारा लगाए जाएंगे। 25 स्टॉल प्रगतिशील किसानों की ओर से लगाई जाएंगी।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि कृषि मेला गेट नंबर 3 के पास बालसमंद रोड पर आयोजित किया जाएगा और मेले का विषय सतत कृषि - समृद्धि की राह रखा गया है। मेले का उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि करेंगे जबकि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

मेले की तैयारियों का जायजा लेते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज। स्रोत : संस्थान

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि मेले में आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, प्रगतिशील किसानों का सम्मान, उन्नत किस्म के बीजों और नवीनतम तकनीक की जानकारी, मिट्टी और पानी के नमूनों की सामान्य शुल्क पर जांच, रोग ग्रस्त फसलों की जांच और निदान, गृह विज्ञान संबंधी जानकारी, कृषि विशेषज्ञों के साथ प्रश्नोत्तरी सत्र, और खरीफ फसलों एवं सब्जियों के उन्नत बीजों की जानकारी और बिक्री की व्यवस्था होगी।

सह निदेशक (विस्तार) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलों का प्रदर्शन भी किया जाएगा, और उसमें इस्तेमाल की गई तकनीक की जानकारी किसानों को दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मेले में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के किसान भी भाग लेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	21-3-26	04	04

हकृवि में कृषि मेले की तैयारियां पूरी, कुलपति ने लिया जायजा

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में 23 व 24 मार्च को आयोजित होने वाले कृषि मेला खरीफ की तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने मेला परिसर का जायजा लिया और सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश भी दिए।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि कृषि मेला, खरीफ दतोपंत ठेंगड़ी कृषि उद्यमिता स्थल, गेट नंबर 3 बालसमंद रोड़ पर आयोजित किया जाएगा। मेले का विषय सतत कृषि- समृद्धि की राह रखा गया है। उन्होंने बताया कि कृषि मेले का उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि करेंगे जबकि कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन तथा मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि मेले में 250 स्टालें लगाई जाएंगी। 165 स्टालें निजी क्षेत्र की कंपनियों की ओर से तथा 60 स्टालें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से लगेंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	20.03.2026	--	--

हकृवि में कृषि मेले की तैयारियां पूरी, कुलपति ने लिया जायजा

-मेले का उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि करेंगे

दक्ष दर्पण

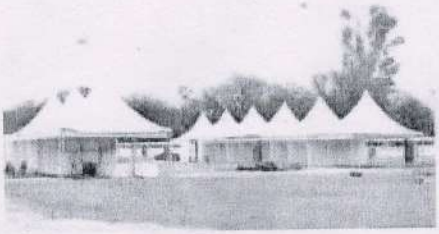

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में 23 व 24 मार्च को आयोजित होने वाले कृषि मेला खरीफ की तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने मेला परिसर का जायजा लिया और सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि कृषि मेला, खरीफ दतोपंत ठेंगड़ी कृषि उद्यमिता स्थल, गेट नंबर 3 बालसमंद रोड़ पर आयोजित किया जाएगा। मेले का विषय सतत कृषि- समृद्धि की राह रखा गया है। उन्होंने बताया कि कृषि मेले का उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि करेंगे जबकि कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन तथा मत्स्य पालन मंत्री श्री श्याम सिंह राणा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि मेले में 250 स्टालें लगाई जाएंगी जिनमें 165 स्टालें निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा तथा 60 स्टालें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, उद्यान विभाग तथा मत्स्य विभाग द्वारा लगाई जाएंगी। मेले में 25 स्टालें प्रगतिशील किसानों द्वारा लगाई जाएंगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि मेले में आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, प्रगतिशील किसानों का सम्मान, उन्नत किस्म के बीजों और नवीनतम तकनीक की जानकारी, मिट्टी एवं पानी के नमूनों की सामान्य शुल्क पर जांच, रोग ग्रस्त फसलों की जांच एवं निदान, गृह विज्ञान संबंधी जानकारी, कृषि विशेषज्ञों के साथ प्रश्नोत्तरी सत्र, खरीफ फसलों एवं सब्जियों के उन्नत किस्म के बीजों की जानकारी और बिक्री, विश्वविद्यालय के प्रकाशन की बिक्री तथा हरियाणवी संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। सह निदेशक (विस्तार) डॉ. सुनील दांडा ने बताया कि किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें भी दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीक की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मेले में हरियाणा सहित पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश के भी किसान भाग लेते हैं, इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा वाहन पार्किंग और सुरक्षा के भी पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	20.03.2026	--	--

एचएयू में कृषि मेला 23 को, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे मेले का उद्घाटन

कुलपति प्रो. काम्बोज ने मेला परिसर का लिया जायजा, जांची व्यवस्थाएं

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में 23 व 24 मार्च को आयोजित होने वाले कृषि मेला खरीफ की तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने मेला परिसर का जायजा लिया और सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। प्रो. काम्बोज ने बताया कि कृषि मेला, खरीफ दतोपंत ठेंगड़ी कृषि उद्यमिता स्थल, गेट नंबर 3 बालसमंद रोड पर आयोजित किया जाएगा। मेले का विषय सतत कृषि-समृद्धि की राह रखा गया है। उन्होंने बताया कि कृषि मेले का उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे जबकि कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन तथा मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे।

उन्होंने बताया कि मेले में 250 स्टालें लगाई जाएंगी जिनमें 165 स्टालें निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा तथा 60 स्टालें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, उद्यान विभाग तथा मत्स्य विभाग द्वारा लगाई जाएंगी। मेले में 25 स्टालें प्रगतिशील किसानों द्वारा लगाई जाएगीं।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि मेले में आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, प्रगतिशील किसानों का सम्मान, उन्नत किस्म के बीजों और नवीनतम तकनीक की जानकारी, मिट्टी एवं पानी के नमूनों की सामान्य शुल्क पर जांच, रोग ग्रस्त फसलों की जांच एवं निदान, गृह विज्ञान संबंधी जानकारी, कृषि विशेषज्ञों के साथ प्रश्नोत्तरी सत्र, खरीफ फसलों एवं सब्जियों के उन्नत किस्म के बीजों की जानकारी और बिक्री, विश्वविद्यालय के प्रकाशन की बिक्री तथा हरियाणवी संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

सह निदेशक (विस्तार) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें भी दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीक की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मेले में हरियाणा सहित पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश के भी किसान भाग लेते हैं, इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा वाहन पार्किंग और सुरक्षा के भी पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	20.03.2026	--	--

हकृवि में कृषि के मेले की तैयारियां पूरी, कुलपति ने लिया जायजा : मेले का उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि करेंगे

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में 23 व 24 मार्च को आयोजित होने वाले कृषि मेला खरीफ की तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने मेला परिसर का जायजा लिया और सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि कृषि मेला, खरीफ दतोपंत ठेंगड़ी कृषि उद्यमिता स्थल, गेट नंबर 3 बालसमंद रोड़ पर आयोजित किया जाएगा। मेले का विषय सतत कृषि- समृद्धि की राह रखा गया है। उन्होंने बताया कि कृषि मेले का उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि करेंगे जबकि कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन तथा मत्स्य पालन मंत्री श्री श्याम सिंह राणा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि मेले में 250 स्टालें लगाई जाएंगी जिनमें 165 स्टालें निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा तथा 60 स्टालें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, उद्यान विभाग तथा मत्स्य विभाग द्वारा लगाई जाएंगी। मेले में 25 स्टालें प्रगतिशील किसानों द्वारा लगाई जाएगीं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि मेले में आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, प्रगतिशील किसानों का सम्मान, उन्नत किस्म के बीजों और नवीनतम तकनीक की जानकारी, मिट्टी एवं पानी के नमूनों की सामान्य शुल्क पर जांच, रोग ग्रस्त फसलों की जांच एवं निदान, गृह विज्ञान संबंधी जानकारी, कृषि विशेषज्ञों के साथ प्रश्नोत्तरी सत्र, खरीफ फसलों एवं सब्जियों के उन्नत किस्म के बीजों की जानकारी और बिक्री, विश्वविद्यालय के प्रकाशन की बिक्री तथा हरियाणवी संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि उन्होंने बताया कि मेले में हरियाणा सहित पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश के भी किसान भाग लेते हैं, इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा वाहन पार्किंग और सुरक्षा के भी पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	21-3-26	11	2-6

हकृवि में 'मसालों के उत्पादन एवं प्रसंस्करण में उभरती प्रवृतियां' विषय पर कार्यशाला

भारतीय मसालों की सुगंध, स्वाद और औषधीय गुणों के कारण पूरे विश्व में मांग : प्रो. काम्बोज

- राज्य स्तरीय कार्यशाला में बागवानी विभाग के अधिकारी, विस्तार विशेषज्ञ और किसानों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा 'मसालों के उत्पादन एवं प्रसंस्करण में उभरती प्रवृतियां' विषय पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय कालीकट (केरल) के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति ने कहा कि हमारे देश की जलवायु, भौगोलिक विविधता और कृषि परंपराएं मसालों के उत्पादन के लिए अनुकूल हैं। यही कारण है कि भारत आज विश्व में मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। यहां लगभग 60 से अधिक प्रकार के मसाले जैसे हल्दी, मिर्च, जीरा, धनिया, इलायची और काली मिर्च का उत्पादन किया जाता है।

वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा मसालों का बाजार

कुलपति ने बताया कि यदि हम अंतरराष्ट्रीय स्तर की बात करें, तो मसालों का वैश्विक बाजार तेजी से बढ़ रहा है। बदलती जीवनशैली, स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों की लोकप्रियता के कारण मसालों की मांग निरंतर बढ़ रही है। इस क्षेत्र में भारत की स्थिति अत्यंत मजबूत है। हालांकि हमें यह भी समझना होगा कि अभी भी हमारे अधिकांश मसाले कच्चे रूप में निर्यात होते हैं। यदि हम प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और गुणवत्ता सुधार पर अधिक ध्यान दें, तो हम वैश्विक बाजार में और भी अधिक लाभ कमा सकते हैं और अपनी स्थिति को और सशक्त बना सकते हैं। इस अवसर पर विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव, डॉ. एसके तेहलान, डॉ. सुरेन्द्र कुमार धनखड़ आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	21-3-26	05	1-5

भारतीय मसालों की सुगंध, स्वाद और औषधीय गुणों के कारण मांग पूरे विश्व में : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

राज्य स्तरीय कार्यशाला में बागवानी विभाग के अधिकारी, विस्तार विशेषज्ञ और किसानों ने लिया भाग

हिसार, 20 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा 'मसालों के उत्पादन एवं प्रसंस्करण में उभरती प्रवृतियां' विषय पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। सुपारी एंव मसाला विकास निदेशालय कालीकट (केरल) के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश की जलवायु, भौगोलिक विविधता और कृषि परंपराएं मसालों के उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। यही कारण है कि भारत आज विश्व में मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। यहां लगभग 60 से अधिक प्रकार के मसाले जैसे हल्दी, मिर्च, जीरा, धनिया, इलायची और काली मिर्च का उत्पादन किया जाता है। भारत न केवल उत्पादन में अग्रणी है, बल्कि मसालों के उपभोग और निर्यात में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारतीय मसालों की सुगंध, स्वाद और औषधीय गुणों के कारण इनकी मांग पूरे विश्व में बनी हुई है। आज भारत के मसाले सैकड़ों देशों में निर्यात किए जाते हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। कुलपति ने बताया कि यदि हम अंतरराष्ट्रीय स्तर की बात करें, तो मसालों का वैश्विक बाजार तेजी से बढ़ रहा है। बदलती जीवनशैली, स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों की लोकप्रियता के कारण मसालों की मांग निरंतर बढ़ रही है। इस क्षेत्र में भारत की स्थिति अत्यंत मजबूत है। हालांकि हमें यह भी समझना होगा कि अभी भी हमारे अधिकांश मसाले कच्चे रूप में निर्यात होते हैं। यदि हम प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और गुणवत्ता सुधार पर अधिक ध्यान दें, तो हम वैश्विक बाजार में और भी अधिक लाभ कमा सकते हैं और अपनी स्थिति को और सशक्त बना सकते हैं। मसाले केवल हमारे भोजन का स्वाद ही नहीं बढ़ाते, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और आर्थिक विकास का भी महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हमें इस क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्ता सुधार के माध्यम से भारत को और ऊंचाइयों तक पहुंचाना होगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने बताया कि यह कार्यशाला कृषि विज्ञान केन्द्रों के लिए बहुत उपयोगी है। किसानों को परम्परागत फसलों के स्थान पर दलहनी, तिलहनी एवं मसालों की फसलों को प्राथमिकता देनी चाहिए। किसान कृषि के साथ-साथ पशुपालन, बागवानी तथा सब्जी उत्पादन का कार्य शुरू करके अपनी आमदनी में कई गुणा बढ़ौतरी कर सकते हैं। डॉ. एसके तेहलान ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सुरेन्द्र कुमार धनखड़ ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। कार्यशाला में विस्तार विशेषज्ञ, बागवानी अधिकारी व किसानों ने भाग लिया। मंच का संचालन डॉ. विजय पाल ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज कार्यशाला को संबोधित करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	20.03.2026	--	--

भारतीय मसालों की सुगंध, स्वाद और औषधीय गुणों के कारण मांग पूरे विश्व में: प्रो. बलदेव राज काम्बोज

» हकृवि में डीएएसडी (कालीकट) के सहयोग से 'मसालों के उत्पादन एवं प्रसंस्करण में उभरती प्रवृत्तियां' विषय पर कार्यशाला आयोजित

» राज्य स्तरीय कार्यशाला में बागवानी विभाग के अधिकारी, विस्तार विशेषज्ञ और किसानों ने लिया भाग

दक्ष दर्पण

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा 'मसालों के उत्पादन एवं प्रसंस्करण में उभरती प्रवृत्तियां' विषय पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय कालीकट (केरल) के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश की जलवायु, भौगोलिक विविधता और कृषि परंपराएं मसालों के उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। यही कारण है कि भारत आज विश्व में मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। यहाँ लगभग 60 से अधिक प्रकार के मसाले जैसे हल्दी, मिर्च, जीरा, धनिया, इलायची और काली मिर्च का उत्पादन किया जाता है। भारत न केवल उत्पादन में अग्रणी है, बल्कि मसालों के उपभोग और निर्यात में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारतीय मसालों की सुगंध, स्वाद और औषधीय गुणों के कारण इनकी मांग पूरे विश्व में बनी हुई है। आज भारत के मसाले सैकड़ों देशों में निर्यात किए जाते हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। कुलपति ने बताया कि यदि हम अंतरराष्ट्रीय स्तर की बात करें, तो मसालों का वैश्विक बाजार तेजी से बढ़ रहा है। बदलती जीवनशैली, स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों की लोकप्रियता के कारण मसालों की मांग निरंतर बढ़ रही है। इस क्षेत्र में भारत की स्थिति अत्यंत मजबूत है। हालांकि हमें यह भी समझना होगा कि अभी भी हमारे अधिकांश मसाले कच्चे रूप में निर्यात होते हैं। यदि हम प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और गुणवत्ता सुधार पर अधिक ध्यान दें, तो हम वैश्विक बाजार में और भी अधिक लाभ कमा सकते हैं और अपनी स्थिति को और सशक्त बना सकते हैं। मसाले केवल हमारे भोजन का स्वाद ही नहीं बढ़ाते, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और आर्थिक विकास का भी महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हमें इस क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्ता सुधार के माध्यम से भारत को और ऊँचाइयों तक पहुँचाना होगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने बताया कि यह कार्यशाला कृषि विज्ञान केन्द्रों के लिए बहुत उपयोगी है। किसानों को परम्परागत फसलों के स्थान पर दलहनी, तिलहनी एवं मसालों की फसलों को प्राथमिकता देनी चाहिए। किसान कृषि के साथ-साथ पशुपालन, बागवानी तथा सब्जी उत्पादन का कार्य शुरू करके अपनी आमदनी में कई गुणा बढ़ोतरी कर सकते हैं। डॉ. एसके तेहलान ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सुरेन्द्र कुमार धनखड़ ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। कार्यशाला में विस्तार विशेषज्ञ, बागवानी अधिकारी व किसानों ने भाग लिया। मंच का संचालन डॉ. विजय पाल ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	20.03.2026	--	--

भारतीय मसालों की सुगंध, स्वाद और औषधीय गुणों के कारण मांग पूरे विश्व में : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा मसालों के उत्पादन एवं प्रसंस्करण में उभरती प्रवृतियां विषय पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय कालीकट केरल के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश की जलवायु, भौगोलिक विविधता और कृषि परंपराएं मसालों के उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। यही कारण है कि भारत आज विश्व में मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। यहाँ लगभग 60 से अधिक प्रकार के मसाले जैसे हल्दी, मिर्च, जीरा, धनिया, इलायची और काली मिर्च का उत्पादन किया जाता है। भारत न केवल उत्पादन में अग्रणी है, बल्कि मसालों के उपभोग और निर्यात में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारतीय मसालों की सुगंध, स्वाद और औषधीय गुणों के कारण इनकी मांग पूरे विश्व में बनी हुई है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने बताया कि यह कार्यशाला कृषि विज्ञान केन्द्रों के लिए बहुत उपयोगी है। किसानों को परम्परागत फसलों के स्थान पर दलहनी, तिलहनी एवं मसालों की फसलों को प्राथमिकता देनी चाहिए। डॉ. एसके तेहलान ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सुरेन्द्र कुमार धनखड़ ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। कार्यशाला में विस्तार विशेषज्ञ, बागवानी अधिकारी व किसानों ने भाग लिया। मंच का संचालन डॉ. विजय पाल ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	20.03.2026	--	--

हकृवि में 'मसालों के उत्पादन एवं प्रसंस्करण में उभरती प्रवृतियां' विषय पर हुई कार्यशाला

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा 'मसालों के उत्पादन एवं प्रसंस्करण में उभरती प्रवृतियां' विषय पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि हमारे देश की जलवायु, भौगोलिक विविधता और कृषि परंपराएं मसालों के उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। यही कारण है कि भारत आज विश्व में मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। यहाँ लगभग 60 से अधिक प्रकार के मसाले जैसे हल्दी, मिर्च, जीरा, धनिया, इलायची और काली मिर्च का उत्पादन किया जाता है। भारत न केवल उत्पादन में अग्रणी है, बल्कि मसालों के उपभोग और निर्यात में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारतीय मसालों की सुगंध, स्वाद और औषधीय गुणों के कारण इनकी मांग पूरे विश्व में बनी हुई है। आज भारत के मसाले सैंकडों देशों में निर्यात किए जाते हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है।

कुलपति ने बताया कि यदि हम अंतर्राष्ट्रीय स्तर की बात करें, तो मसालों का वैश्विक बाजार तेजी से बढ़ रहा है। बदलती जीवनशैली, स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और अंतर्राष्ट्रीय व्यंजनों की लोकप्रियता के कारण मसालों की मांग निरंतर बढ़ रही है। इस क्षेत्र में भारत की स्थिति अत्यंत मजबूत है। हालांकि हमें यह भी समझना होगा कि अभी भी हमारे अधिकांश मसाले कच्चे रूप में निर्यात होते हैं। यदि हम प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और गुणवत्ता सुधार पर अधिक ध्यान दें, तो हम वैश्विक बाजार में और भी अधिक लाभ कमा सकते हैं और अपनी स्थिति को और सशक्त बना सकते हैं। मसाले केवल हमारे भोजन का स्वाद ही नहीं बढ़ाते, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और आर्थिक विकास का भी महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।